KJ-1105

B.A. (Part - III)
Term End Examination, 2020

HINDI LITERATURE

Paper - I

जनपदीय भाषा–साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों/गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7×3

(क) नैनन आगे ख्याल घनेरा,

जेहि कारन जग डोलत भरमैं, सो साहेब घट लीन्ह बसेरा।

का संझा का प्रात सबेरा, जहं देखूं तहं
साहेब मेरा।

अरथ-उरथ बिच लगन लगी है, साहेब घट
मं कर लीन डेरा।

साहेब कबीर एक माला दीन्हा, धरमदास घट
ही बिच फेरा।

अथवा

येती बिहनिया ले घर मं खड़क, तरवार ल माजे के काम घलो सुरू रहय, आज घरो घर खड्ग के पूजा होथय। ये दिन ल हिन्दू मन साल भरले अगोरत रहिथय। येला बड़ पवित्र दिन माने जाथे, काहे के, ये दिन आर्य के जीत के पताका अनार्य के किल्ला मं फरहाये रहिस हे। ये वही सुभदिन आय जउन दिन भगवान राम हर रावण ला खतम कर आर्य संस्कृति के रक्षा करे रहिन।

(ख) ''अपने पेट ल देखे बर नइए,

दूसरे के पेट दिखा जथै।

अपन टोटा ल देखे नहिं,

आन के फूला ल हांसथे।''

अथवा

तँय उठथस सूरूज उथे, सुसताथस होथे साम रे।

रात घलो हो जाथे, जब लेथस बने अराम रे॥

जउन पानी ल तँय छूथस, वो गंगाजल हो जाथे रे।

जउन लकड़ी ल तँप धरथस, तुतारी-हल हो जाथे रे॥

(ग) जेठू,

महाजन इहाँ

सूत के ओढ़ना बनाके

दे आथे

घर भर के सबो

चेंदरी बर लुलुवाथें

इज्जत ढाँके बर

जुन्ना कपड़ा धलब नई पा सकै।

अथवा

छै बित्ता के मनखे देखौ, कां का जिनिस
बिसा लेथे।

आगी पानी पवन अकासा, भुइंया तको नंगा
लेथे॥

दिन दुकाल ला हाँस के सहिथे, छत्तीसगढ़
के भुइंया हर।

महतारी मन गरा-धूंका, अंचरा मां गठिया
लेथे॥

2. संत धर्मदास ने गुरु की महिमा का बखान अपने पदों में किस प्रकार किया है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। भाव पक्ष पर भी प्रकाश डालिए। 12

अथवा

लखनलाल गुप्त द्वारा रचित गद्य 'सोनपान' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

3. डॉ० विनय कुमार पाठक द्वारा रचित 'तँय उठथस सुरूज उथे' कविता किसे सम्बोधित कर लिखी गई है? कवि ने किन-किन विशेषणों से उस सम्बोधन को नवाजा है? उदाहरण सहित समझाइए। 12

अथवा

छत्तीसगढ़ी भाषा के क्षेत्र एवं रूप पर प्रकाश डालते हुए छत्तीसगढ़ी की विकास यात्रा पर एक निबंध लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×3

(क) विजयादशमी का सामाजिक महत्व

(ख) पं० सुन्दरलाल शर्मा का साहित्यिक परिचय

(ग) रामचन्द्र देशमुख का व्यक्तित्व

(घ) डॉ० सत्यभामा आडिल का लेखन कौशल

(ङ) कपिलनाथ कश्यप का साहित्यिक परिचय

5. निम्नलिखित अति लघू-उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×15

(क) छत्तीसगढ़ी में 'दशहरा' शब्द का अपभ्रंश रूप बताइए।

(ख) संत धर्मदास के गुरु का नाम लिखिए।

(ग) 'कथे' क्रिया पद का हिन्दी रूप लिखिए।

(घ) छत्तीसगढ़ी दानलीला के रचयिता कौन हैं?

(ङ) 'चंदेनी गोदा' किसने लिखा है?

(च) छत्तीसगढ़ का गाँधी किसे कहा जाता है?

(छ) सत्यभामा आडिल के दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(ज) 'चार झन' किस प्रकार का विशेषण है?

(झ) 'रामचन्द्र देशमुख' के जन्म स्थान का नाम बताइए।

(ञ) लोकोक्तियों को छत्तीसगढ़ी में क्या कहते हैं?

(ट) कारी का स्क्रिप्ट किसने लिखा?

(ठ) 'सुरूज असन तोर उत्ती-बुड़ती' में कौन सा अलंकार है?

(ड) आपके पाठ्यपुस्तक का सम्पादन किसने किया है?

(ढ) 'छत्तीसगढ़ देहाती कला विकास मंडल' की स्थापना किसने की?

(ण) खूबचंद बघेल के चर्चित नाटक का नाम लिखिए।

———